

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईएम बोध गया में चौथे दीक्षांत समारोह का आयोजन

भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया ने 9 अप्रैल 2022 को अपने चतुर्थ दीक्षांत समारोह का आयोजन उत्साह और भव्यता के साथ किया। इस अवसर पर मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (2020-22) के कुल 182 अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान करके सम्मानित किया गया। उपाधि प्राप्त करनेवाले इन छात्रों में 116 लड़के और 66 लड़कियाँ थीं। अध्यक्ष का स्वर्ण पदक, निदेशक का स्वर्ण पदक और सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार क्रमशः रत्नाकरम कृष्ण चैतन्य, बॉडे प्रणव तुकाराम और पीयूष पल्लव को प्रदान किया गया।

दीक्षांत समारोह का शुभारंभ माननीय मुख्य अतिथि, शासी बोर्ड के सदस्यों और निदेशक द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ हुआ। डॉ. विनीता सहाय, निदेशक, आईआईएम बोधगया ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने वर्ष 2021-22 में आईआईएम बोधगया की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में बताया। अपने संबोधन में, उन्होंने स्नातकोत्तर करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए कहा, "आप छात्रों का समूह अद्वितीय है। आप सभी ने महामारी की चुनौती को स्वीकार किया, और सफलता प्राप्त की।" उन्होंने रेखांकित किया कि भारत की विकास गाथा का आकर्षक पहलू महिलाओं की शिक्षा को प्रदत्त प्रोत्साहन है। "हमें विविधता में विश्वास है और हम अनुभव करते हैं कि हमें भावी भविष्य के लिए महिला नेतृत्वकर्ताओं को आगे लाने में योगदान करना चाहिए, और हम इसके लिए तैयार हैं। हमने अपने एमबीए और एकीकृत कार्यक्रम दोनों में महिला छात्रों को शामिल करने का प्रावधान किया है। हम विशिष्ट महिला शिक्षकों को भी अपने शैक्षणिक समुदाय का हिस्सा बनाने के लिए प्रयासरत हैं।" उन्होंने आगे प्रकाश डाला कि महामारी से उत्पन्न खतरों के बावजूद, संस्थान ने एक शानदार प्लेसमेंट सत्र देखा, जिसमें छप्पन प्रसिद्ध नियोक्ताओं ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में विभिन्न क्षेत्रों और व्यवसायों में 210 नौकरी के प्रस्ताव प्रदान किए। निदेशक के संबोधन के बाद संस्थान के भावी परिसर की झलकियाँ प्रस्तुत की गईं।

श्री संदीप घोष, शासी बोर्ड के सदस्य ने अपने स्वागत संबोधन में अच्छी नेटवर्किंग पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि दुनिया को ऐसे नेता की जरूरत है, जो आंकड़े और ज्ञान पर आधारित निर्णय ले। आईआईएम बोधगया ने अपने छात्रों को आत्मविश्वास से लबरेज किया है और वैश्विक मंच प्रदान किया है। अब वे दुनिया में अपने अर्जित ज्ञान से परिवर्तन का वाहक बनेंगे।

शासी बोर्ड के सदस्य, श्री एल रामकुमार ने जीवन और कार्य में नैतिकता के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा, "हममें से कई लोग कुशल हैं। ज्ञान की गहराई व्यक्ति और संगठनों के लिए मूल्य पैदा करती है। जिम्मेदार और जवाबदेह बनें तभी आपका स्वयं का ब्रांड फलेगा-फूलेगा।

इस अवसर पर अपने अभिभाषण में, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और भारतीय इस्पात प्राधिकरण के अध्यक्ष, श्रीमती सोमा मंडल ने विद्यार्थियों से उदारता, नैतिकता और दयालुता अपनाने की अपील की।

उन्होंने आगे कहा कि जीवन और कार्य में इन गुणों को उतारना कभी असफल नहीं होता है। आपसभी असफलताओं से घबराएं नहीं, बल्कि अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसके प्रति ईमानदार बनें। साथ ही अपने दोस्तों, परिवार के प्रति समय निकालें, क्योंकि ये आपके जीवन के अभिन्न हिस्सा हैं।

अंत में मुख्य अतिथि, शासी बोर्ड के सदस्य और निदेशक ने स्नातकोत्तर करनेवाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके अभिभावकों के समर्पण की सराहना की।

समारोह में विद्यार्थियों के अभिभावक भी शामिल हुए। बच्चों के कठिन परिश्रम की सफलता की खुशी सभी अभिभावकों के चेहरे पर जाहिर थी।

समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

Press Release

The Indian Institute of Management Bodh Gaya organized its fourth convocation on 9th April 2022 with great elan and grandeur. A total of 182 candidates of Master of Business Administration (2020-22) were conferred with their respective degrees. Of these graduating students, 116 were boys, and 66 were girls. The Chairman's Gold Medal, the Director's Gold Medal, and the Best Student Award were conferred to Rathnakaram Krishna Chaithanya, Bonde Pranav Tukaram, and Piyush Pallav, respectively.

The convocation began with the lighting of an inaugural lamp by the Chief Guest, Members of the Board of Governors, and the Director and a rendition of the Saraswati Vandana by the students. Dr. Vinita Sahay, Director, IIM Bodh Gaya, presented the Annual Report, where she spoke about the significant updates at IIM Bodh Gaya for AY 2021-22. In her address, she congratulated the graduating students and said, "What an incredible group of students you are. You took on the challenge of the pandemic, and you succeeded." She reiterated that a fascinating aspect of India's growth story is the impetus given to women's education. "We are firm believers in diversity and realize that we ought to contribute to bringing our women leaders of tomorrow forward, and we are prepared to do so. We have made provisions to include female students in both our MBA and Integrated programmes. We are also attracting prominent women academicians to be a part of our teaching community, " Dr. Sahay said. She further highlighted that despite the threats posed by the pandemic, the Institute witnessed a resonant placement season, with fifty-six renowned recruiters extending 210 offers across various domains and businesses in AY 2021-22. The Director's address was followed by a presentation providing glimpses of the Institute's upcoming campus.

Mr. Sandip Ghose, Member of the BoG, in his welcome address, highlighted and praised the continuous growth of IIM Bodh Gaya. He said "Always remain on the rollercoaster of learning, unlearning, and relearning. If you don't unlearn, relearning can be difficult especially in today's time." He also added "Wherever you work, lead from the right and manage from the left. Good networking is very beneficial. Let your network have: Accelerators, the coach and mentors; facilitators, who help you in day-to-day delivery, friends and family and Supporters, who help you unconditionally and are emotionally attached." Mr. L Ramkumar, another Member of the BoG, talked about work ethics, "Many of us think we are smart. Nowadays, Google offers every knowledge so, it is the depth of knowledge that creates value for individuals and organizations. So be responsible and accountable and your own brand name will flourish." Students were conferred degrees by the dignitaries.

Speaking on the occasion, chief guest and Chairman of Steel Authority of India, Smt. Soma Mandal said “As you start your professional journey, remember that there will be failures. We can't win all the battles but we need to believe in ourselves. Don't let anything dent your confidence. Your self-belief will make others believe in you. There is no honor in suffering from negativity so move on and life will offer positive gifts.” Appealing to the students to think big, Mandal advised students to get mentors to keep on building their character. Failures are acceptable, but one should not stop trying. Through her speech she asked the students to keep challenging their limits. She said “Keep challenging your limits. More so if you have reached a comfort zone in whatever you are doing. Moment you have reached a comfort zone it is time for a change.” Mrs. Mandal went on to say “One can be compassionate and strong and strong doesn't mean aggressive. Know the difference and you will be a leader.”

The ceremony concluded with the National Anthem.

